M.A. Examination, 2019
Semester-II
Hindi
Course : V
(छायावादोत्तर काव्य)

Time : 3 Hours **Full Marks : 40**

Questions are of value as indicated in the margin

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **दो** की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए– 2×8=16

क) तो हमें स्वीकार है वह भी उसी में रेत होकर
फिर छनेंगे हम। जमेंगे हम। कहीं फिर पैर टेकेंगे।
कहीं फिर से खड़ा होगा नये व्यक्तित्व का आकार।
मातः उसे फिर संस्कार तुम देना।

ख) पिस गया वह भीतरी
औ, बाहरी दो कठिन पाटों बीच।
ऐसी ट्रैजिडी है नीच।।

ग) प्राण की चिर-संगिनी यह वह्नि,
इसको साथ लेकर
भूमि से आकाश तक चलते रहो
मर्त्य नर का भाग्य।
जब तक प्रेम की धारा न मिलती
आप अपनी आग में जलते रहो

घ) सत्य का रूख
समय का रूख है
अभय जनता को
सत्य ही सुख है।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिए– 2×12=24

क) 'असाध्यवीणा' कविता की समीक्षा कीजिए।

ख) 'अँधेरे में' कविता की भूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

ग) 'काल तुझसे हो हैड़ मेरी' कविता के काव्य सौन्दर्य को स्पष्ट कीजिए।

घ) 'उर्वशी' प्रेम और सौन्दर्य का काव्य है–इस कथन की पुष्टि कीजिए।